दिल्ली, उ0प्र0, हरियाणा, पंजाब, गुजरात एवं राजस्थान में प्रसारित।

गुरुकृपा दर्पण

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

UTTHIN/2022/85670

डाक सं० UA/DO/DON/02/2024-2026

वर्ष : 04 | अंक : 38 | हरिद्वार | शनिवार, 11 अक्टूबर, 2025 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 4

सीएम धामी ने की नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भेंट

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भेंट कर राज्य से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने वित्त मंत्री को जीएसटी सुधारों के सफल क्रियान्वयन के लिए शुभकामनाएँ देते हुए वित्त मंत्रालय द्वारा उत्तराखंड राज्य को दिए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड राज्य के शहरी क्षेत्रों में जनसंख्या का दबाव लगातार बढ़ रहा है। पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील एवं भारी वर्षा वाले प्रदेश में नगरीय जल निकासी प्रणाली के सुधार और अपग्रेडेशन की बहुत आवश्यकता है। इसके लिए राज्य के सर्वाधिक बारिश से प्रभावित 10 जिलों के लिए स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम के उन्नयन और सुधार के लिए डीपीआर तैयार की गई हैं, जिनकी कुल अनुमानित लागत रुपये 8,589.47 करोड़ है। उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री से इन परियोजनाओं को पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना के अंतर्गत स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री से उत्तराखंड राज्य के बाह्य सहायतित परियोजनाओं (श्वक्ष्य) की शीघ्र स्वीकृति का भी अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ओर से प्रस्तुत तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं में से उत्तराखंड क्लाइमेट रिज़िलीअन्स डेवलपमेंट प्रोजेक्ट को स्वीकृति मिल चुकी है। इसी के साथ राज्य सरकार की ओर से सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन सुदृढ़ीकरण परियोजना के लिए 850 करोड़ रुपये और जलापूर्ति व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए 800 करोड़ का प्रस्ताव भी केंद्र सरकार को भेजा गया है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री से इन परियोजनाओं की शीघ्र स्वीकृति कराने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्रीधामी ने केंद्रीय वित्त मंत्री से पूर्व में मिले आश्वासन के क्रम में उत्तराखंड को वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2025-26 के बाह्य सहायतित परियोजनाओं की सीलिंग के अतिरिक्त 4 अन्य प्रमुख परियोजनाओं को भी शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया।

धामी सरकार चली गरीब के द्वार

हरिद्वार। देशराज कर्णवाल, उपाध्यक्ष, समाज कल्याण योजनाएं अनुश्रवण समिति, उत्तराखंड सरकार (राज्य मंत्री स्तर) के नेतृत्व में आज दिनांक 09 अक्टूबर 2025 को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर समाज कल्याण बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन भगवानपुर विधानसभा के तीन ग्रामों– बेहदकी सैदाबाद, मोलना और खजूरी में सफलतापूर्वक किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की जनता की समस्याओं को सुनना, उनका त्वरित निस्तारण करना तथा समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना रहा। इनमें से 17 समस्याओं का समाधान शिविर स्थल पर ही संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा त्वरित रूप से किया गया। शेष शिकायतें, जो जिला स्तरीय हैं, उन्हें निस्तारण हेतु जिलाधिकारी हरिद्वार व शासन को प्रेषित किया जाएगा।

स्वदेशी को अपनाना ही सशक्त भारत की नींव: तरुण बंसल

अल्मोड़ा। भारतीय जनता पार्टी, जनपद अल्मोड़ा के तत्वावधान में गुरुवार को भाजपा कार्यालय, पातालदेवी में %आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान% की जिला कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के प्रदेश महामंत्री तरुण बंसल शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री दर्शन रावत और प्रकाश भट्ट ने किया, जबकि कार्यक्रम का संयोजन ललित लटवाल, मीना भैसोड़ा और चंदन लाल टम्टा ने किया। मंचासीन अतिथियों में पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष रघुनाथ चौहान, पूर्व विधायक कैलाश शर्मा, महापौर अजय वर्मा, दायित्वधारी गंगा बिष्ट और प्रदेश मंत्री गौरव पांडे उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष महेश नयाल ने बताया कि यह अभियान पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती (25 सितंबर) से लेकर भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती (25 दिसंबर) तक चलेगा। इस अवधि में हर घर स्वदेशी थीम पर जिला, विधानसभा और मंडल स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम संयोजक ललित लटवाल ने कहा कि हमारी सभ्यता और संस्कृति हमेशा आत्मनिर्भरता की प्रतीक रही है। हमारे पूर्वज सीमित संसाधनों में अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी विचार को 'आत्मनिर्भर भारत' के रूप में पुनः स्थापित किया है। मुख्य अतिथि तरुण बंसल ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वदेशी की भावना ही सशक्त भारत की नींव है। स्वदेशी केवल आर्थिक नीति नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण का आधार है। उन्होंने कहा, हम सब स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करें, देशी उत्पाद खरीदें और अपने श्रमिकों, कारीगरों तथा स्थानीय उत्पादकों को सशक्त बनाएं। उन्होंने कहा कि पहाड़ों से पलायन तभी रुकेगा जब हम स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाएँगे। स्वदेशी ही आत्मनिर्भर भारत की आत्मा है।

गुरुकृपा दर्पण (राष्ट्रीय समाचार पत्र) को आवश्यकता है उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों के लिए ब्यूरो चीफ, कैमरा मैंन, संवादाताओं की। सम्पर्क करें – 9410731129, 9548880101

जूना अखाड़े की पवित्र छड़ी पहुंची केदारनाथ धाम

रुद्रप्रयाग। श्री पंच दश नाम जूना अखाड़े की पवित्र छड़ी यात्रा उत्तराखंड भ्रमण के दौरान आज द्वादश ज्योतिर्लिंग केदारनाथ धाम पूजा अर्चना के लिए पहुंची। नागा संन्यासियों के जत्थे साथ लगभग 44 किलोमीटर की हिमालय पर्वतमाला की कठिन चढ़ाई पैदल पार करते हुए हर हर महादेव के जय घोष के साथ केदारनाथ धाम पहुंचने पर तीर्थ पुरोहितों , प्रशासनिक अधिकारियों तथा बद्री केदार समिति के सदस्यों वी वहां उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं ने पूर्ण आस्था के साथ पवित्र छड़ी का स्वागत किया और मुझे अर्चना कर साधु संतों का आशीर्वाद प्राप्त किया। पवित्र छड़ी यात्रा के प्रमुख हिमालय पीठाधीश्वर वीरेंद्रीआनंद गिरी महाराज ,श्रीमहंत पुष्कर राजगीरी, श्रीमहंत पशुपति गिरी ,श्रीमहंत अभय पुरी, श्रीमहंत शिवानंद सरस्वती, महंत सरस्वती गिरी श्रीमहंत अमृतपुरी, महंत आकाश पुरी ,श्रीमहंत रूद्रानंद सरस्वती, श्रीमहंत राहुल गिरी, श्रीमहंत रतन गिरी, श्रीमहंत आकाश गिरी, श्रीमहंत मनीष, आनंद गिरि के नेतृत्व में पवित्र छड़ी ने बाबा केदारनाथ के दर्शन किए तथा देश प्रदेश, विश्व कल्याण की कामना के साथ विशेष पूजा अर्चना की।इससे पूर्व कल पवित्र छड़ी पौराणिक तीर्थ धारी देवी मंदिर की पूजा अर्चना कर रुद्रप्रयाग पहुंची जहां जूना अखाड़े के कोटेश्वर

महादेव मंदिर पीठाधीश्वर श्री महंत शिवानंद गिरि महाराज के नेतृत्व में स्थानीय विधायक भारत सिंह चौधरी, मेयर संतोष सिंह रावत, बी के टी सी के उपाध्यक्ष विजय कापरवान ,विहिप के जिला अध्यक्ष राजपाल नेगी, बजरंग दल के राहुल खन्ना तथा तहसीलदार प्रणव पांडे की अगुवाई में पवित्र छड़ी की नगर में शोभायात्रा निकाली गई ।वैदिक मंत्र उच्चारण करते हुए संस्कृत विद्यालय के छात्र तथा ढोल नगाड़ों के साथ पूरे नगर में भ्रमण करती हुई पवित्र छड़ी पौराणिक तीर्थ कोटेश्वर महादेव मंदिर पहुंची जहां भगवान कोटेश्वर महादेव की विधिवत पूजा अर्चना की। बताते चलें पौराणिक कोटेश्वर महादेव में ही भस्मासुर राक्षस से बचने के लिए भगवान शिव ने गुफा में शरण ली थी और अपने प्राण बचाए थे। महामंडलेश्वर विरेंद्रानंद गिरी महाराज ने बताया यह पौराणिक छड़ी यात्रा पूरे उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों में भी जाएगी और उन क्षेत्रों की, स्थानीय नागरिकों की मूलभूत समस्याएं व आवश्यकताओं का व्यापक अध्ययन कर सरकार का ध्यान उसे और आकृष्ट कराएगी। उन्होंने पौराणिक तीर्थ धारी देवी मंदिर को पिकनिक स्पॉट बनाए जाने का विरोध करते हुए कहा धारी देवी मंदिर एक पौराणिक तीर्थ है इस तीर्थ की गरिमा बनी रहनी चाहिए लेकिन सरकार द्वारा यहां पर पिकनिक स्पॉट बना दिया गया है।

सम्पादकीय

भगदड़ से उत्पन्न हादसे

सम्पादक – **देवेन्द्र जौहरी**

2024 में उत्तर प्रदेश के हाथरस में भोले बाबा के सत्संग के दौरान हुई भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई, ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। यह घटना कार्यक्रम समाप्ति के समय भीड़ के बहाव के कारण हुई, जब लोग बाबा के चरण छूने या उनकी चरण रज लेने के लिए उमड़ पड़े। भारत, दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला वह देश है जहां धार्मिक उत्सव, राजनीतिक रैलियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम राष्ट्रीय शर्म का कारण बनते है। हाल के वर्षों की कई घटनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि प्रशासनिक लापरवाही, अपर्याप्त योजना और बुनियादी ढांचे की कमी में कैसे निर्दोष लोगों की जान जाती है। सितंबर 2025 में तमिलनाडु के करूर में अभिनेता-नेता विजय की राजनीतिक रैली में 41 लोगों की मौत हो गई, जब देरी से पहुंचे काफिले को देखने के लिए लोग सड़क पर उमड़ पड़े। भगदड़ के हादसों की सूची बहुत लंबी है लेकिन यहाँ सवाल उठता है कि एक के बाद एक हादसों से हमने क्या सीखा? क्या ऐसे हादसे कभी कम होंगे? 2024 में उत्तर प्रदेश के हाथरस में भोले बाबा के सत्संग के दौरान हुई भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई, ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। यह घटना कार्यक्रम समाप्ति के समय भीड़ के बहाव के कारण हुई, जब लोग बाबा के चरण छूने या उनकी चरण रज लेने के लिए उमड़ पड़े।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से होंगे युवा कांग्रेस के चुनाव: रविशंकर

हरिद्वार। युवा कांग्रेस के चुनाव कोऑर्डिनेटर रविशंकर ने प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता के दौरान जानकारी देते हुए बताया कि ब्लॉक, विधानसभा, जिला एवं राज्य स्तर पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से होने वाले युवा कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव के माध्यम से युवाओं को नेतृत्व के अवसर मिलेंगे। रवि शंकर ने बताया कि 6 अक्तूबर को संगठन का सदस्यता अभियान शुरू किया गया है। सदस्या अभियान पूरा होने के बाद 24 से 30अक्तूबर तक नामांकन प्रक्रिया संपन्न की जाएगी। 5 नवम्बर तक सभी प्रक्रिया पूरी करने के बाद 10नवम्बर को मतदान कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि चुनाव में प्रतिभाग के लिए युवा कांग्रेस का सदस्य होना जरूरी है। इसके संबंध में ब्लॉक स्तर तक कार्यकर्ताओं से संवाद कर जानकारी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि पारदर्शिता व निष्पक्षता से होने वाले आंतरिक चुनाव के माध्यम से योग्य नेतृत्व को आगे लाया जाएगा। युवा कार्यकर्ताओं को कांग्रेस की रीती नीतियों को सीखने का अवसर मिलेगा।

बकाया भुगतान और स्मार्ट मीटर पर सरकार को चेतावनी

रुड़की। इकबालपुर शुगर मिल पर बकाया गन्ना भुगतान और स्मार्ट मीटर के विरोध सहित किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर करीब डेढ़ माह से चल रहा किसान मोर्चा का आंदोलन गुरुवार को और तीव्र हो गया है। रुड़की एसडीएम चौक के पास आयोजित महापंचायत में हजारों किसान एकत्रित हुए और सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। मंच से किसान नेताओं ने सरकार पर पूंजीपतियों का पक्ष लेने और किसानों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। इस दौरान मिल प्रबंधन के जीएम अनिल तंवर भी मौके पर पहुंचे और किसानों को पांच करोड़ रुपये का चेक सौंपा। उन्होंने शेष दस करोड़ रुपये पंद्रह दिनों के भीतर भुगतान करने का भरोसा भी दिया। महापंचायत को संबोधित करते हुए किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुलशन रोड ने कहा कि यह लड़ाई अब आर-पार की है।

व्यवसायी आशीष कुमार गुप्ता ने लगाया साझेदार पर मारपीट का आरोप, पुलिस से की कार्रवाई की मांग

हरिद्वार। खन्ना नगर निवासी व्यवसायी आशीष कुमार गुप्ता ने प्रेस क्लब में पत्रकारवार्ता के दौरान मारपीट करने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पत्रकारों को जानकारी देते हुए आशीष कुमार गुप्ता ने बताया कि किसी काम से सड़क से अपने पुत्र के साथ जा रहे थे। इस दौरान दो अज्ञात व्यक्तियों ने उन पर हमला कर दिया। आशीष गुप्ता ने बताया कि असामाजिक तत्वों द्वारा उन्हें बुरी तरह से लाठी डंडों से पीटा। जिससे आंख व चेहरे पर काफी चोटे आयी हैं। पुत्र पर भी उनके द्वारा हमला किया गया। आशीष गुप्ता ने कहा कि पूर्व में भी मेरे साथ मारपीट की गयी थी। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि व्यावसायिक साझेदार सुमित सचदेवा के इशारे पर मेरे साथ मारपीट की गयी है। सुमित सचदेवा पर मेरे निर्माण किए जाने की धनराशि बकाया है। कई बार इस बात को लेकर मैने पेमेंट करने की बात कही गयी। लेकिन वह मेरे पैसे नहीं लौटा रहा है। सुमित सचदेवा रसूखदार है। धनबल का प्रयोग कर मुझे दबाने का प्रयास कर रहा है। आशीष कुमार गुप्ता ने अपने परिवार की जानमाल व सुरक्षा की गुहार लगाते हुए पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। आशीष गुप्ता ने बताया कि उन्होंने ज्वालापुर पुलिस को तहरीर भी दी है। इसके पूर्व एसएसपी कार्यालय में भी प्रार्थना देकर कार्रवाई की मांग की गयी थी। पत्रकार वार्ता के दौरान आशीष कुमार गुप्ता की माता संतोष भी मौजूद रही।

जड़ी बूटी शोध संस्थान ने नई शिक्षा प्रणाली के तहत क्षमता विकास की शुरु की पहल

चमोली। नई शिक्षा प्रणाली तहत छात्र-छात्राओं की क्षमता विकास करने की मंशा से जड़ी-बूटी शोध एवं विकास संस्थान मंडल, चमोली ने पहल की है। जिसके तहत गुरुवार को संस्थान ने राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोपेश्वर के साथ ही कृषि, उद्यान, सहकारिता, भेषज संघ सहित अन्य रेखीय विभागों के साथ एमओयू किया है। जिसके बाद अब जड़ी बूटी के कृषिकरण के प्रसार के साथ ही शोध करने वाले छात्रों को सुगमता जानकारी उपलब्ध हो सकेगी। जड़ी-बूटी शोध एवं विकास संस्थान के मंडल स्थित मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक और मुख्य विकास अधिकारी चमोली डा. अभिषेक त्रिपाठी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा प्रणाली में छात्रों के क्षमता विकास के लिए कार्यक्रमों का संचालन करने का प्रवधान किया गया है। जिसके तहत संस्थान की ओर से युवाओं को जड़ी-बूटी कृषिकरण और शोध कार्यों हेतु प्रशिक्षण प्रदान कर व्यवसायिक तौर पर युवाओं का क्षमता विकास किया जाएगा। कहा एमओयू के तहत राजकीय महाविद्यालय में वनस्पति विज्ञान, जन्तु विज्ञान और रसायन विज्ञान के छात्रों प्रशिक्षण के साथ ही शोध कार्य में सहयोग किया जाएगा। इसके साथ ही जिला प्रशासन के अन्य विभागों को एमओयू से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य युवाओं की क्षमता विकास के साथ स्वरोजगार सृजन करना है। बताया कि संस्थान से प्रशिक्षण लेने वाले युवाओं को स्वरोजगार के लिए भी सहयोग प्रदान किया जाएगा। इस मौके पर जड़ी-बूटी सलहाकार बोर्ड के उपध्यक्ष बलवीर घुनियाल और भुवन विक्रम डबराल ने कहा कि जड़ी-बूटी शोध संस्थान की ओर से राज्य में जड़ी बूटियों के कृषिकरण से ग्रामीणों को आर्थिक मजबूती प्रदान की जा रही है। जिससे ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार आया है। बताया कि राज्य में संस्थान की ओर से 20 हजार किसानों के साथ नौ सौ हेक्टयर भूमि पर जड़ी का कृषिकरण किया जा रहा है। इसके साथ ही अन्य विभागों की ओर से बड़े पैमान पर कूट, कुटकी, अतीस जैसी जड़ी बूटियों का उत्पादन किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग ने चलाया विशेष जांच अभियान

रुड़की। क्षेत्र के मुंडलाना गांव में डेंगू के बढ़ते प्रकोप के बीच गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग ने गांव में घर-घर जाकर लार्वा जांच, फॉगिंग और जागरूकता अभियान चलाया। मेडिकल टीम ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर 126 सैंपल लिए। इसमें से 58 लोगों के डेंगू की जांच की। अगले दो दिनों तक मुंडलाना में स्वास्थ्य विभाग का जांच कैंप जारी रहेगा। मुंडलाना गांव में पिछले कुछ दिनों से बुखार के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। बरसात के बाद जलभराव वाली जगहों और खेतों में मच्छरों का प्रकोप बढ़ने से डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियां फैल रही हैं। पिछले दस दिनों में डेंगू के संदिग्ध तीन ग्रामीणों की मौत हो चुकी है। ग्रामीणों का आरोप है कि स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण क्षेत्र में डेंगू, मलेरिया की बीमारी फैल रही है। इधर, स्वास्थ्य विभाग ने मुंडलाना में विशेष अभियान चलाया। मलेरिया जांच टीम ने गांव के हर घर में जाकर लार्वा की जांच की। जहां कहीं जलजमाव या लार्वा पाए गए वहां तुरंत एंटी-लार्वा दवा का छिड़काव किया गया। इसके साथ ही फॉगिंग मशीनों से पूरे गांव में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया गया। ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए पंपलेट भी बांटे गए। जिनमें डेंगू और मलेरिया के लक्षण, बचाव के उपाय और तत्काल चिकित्सा की सलाह दी गई है।

देवेन्द्र जौहरी
सहसम्पादक
जतिन शर्मा
सहसम्पादक
विक्रान्त शर्मा
कानूनी सलाहकार
जसमहिन्द्र सिंह एडवोकेट

बिना जीवनी जाने कैसे आई लव मुहम्मद ?

शंकर शरण

अधिकांश मुसलमान भी मुहम्मद को पूरा नहीं जानते। ज्जब उन्हें सब के लिए हर विषय में अनुकरणीय बताया तो उन के जीवन की पूरी जानकारी लेना लाजिम हो जाता है। वरना अनुकरण कैसे होगा?ज्विचारशील मुसलमान भी समझते हैं कि ऐसे प्रोफेट को पूरी मानवता के लिए अनुकरणीय बताना बेढब है! इसीलिए मुस्लिम नेता और उलेमा मुहम्मद की चर्चा से ही बचना चाहते हैं। पर आई लव मुहम्मद ने उस की चर्चा अनिवार्य बना दी।

मुहम्मद से मुहब्बत? पहले उन्हें जानें (2)

इस्लाम पूरी तरह गैर-मुस्लिमों के प्रति विरोध-भाव पर केंद्रित है। काफिर-विरोध ही इस्लाम की टेक है। पूरी दुनिया को हर हाल में इस्लामी बनाने के उसूल का मतलब ही है सभी गैर-इस्लामी तत्व मिटाना। सो, घोड़ा घास से यारी कैसे करे' वाली बात है। इसीलिए जिस समाज में गैर-मुस्लिम और मुस्लिम दोनों हों, वहाँ शान्ति सदैव अस्थाई रही है।

एक बड़े भारतीय मौलाना ने मुस्लिमों के किसी सवाल पर कहा था कि यदि किसी विषय में समझ न आए कि क्या करना जायज होगा, तो उस पर काफिर जो करते हैं उस का उल्टा करो। आखिर, मुहम्मद ने ही मुसलमानों को कहा था- मूँछें मुड़वा लो और दाढ़ी बढ़ा लो; ताकि मूर्तिपूजकों से अलग दिखो। (बुखारी, 7ः72ः78)। बस, यही कारण था। कुरान भी आधे से अधिक यही है कि काफिर बुरे, गंदे, और घृणित हैं। उन के लिए एक भी अच्छा शब्द उस में नहीं। वही मुहम्मद पूरी मानवता के लिए अनुकरणीय, और अंतिम' प्रोफेट भी हैं। यह उन का केंद्रीय दावा है (कुरान, 33ः4)। उसी से जुड़ी इस्लाम की अखीरत' और कयामत' की धारणा है। यानी दुनिया का अंत बहुत निकट है, यह कुरान में बार-बार दुहराई गई बात है (कुरान, 15ः85, 44ः1, 78ः4)। पर वह गलत साबित हुई। कुरान में दर्ज मुहम्मद के उस कथन के बाद दुनिया चौदह सदियों से चल रही है। जब कि मुहम्मद के अनुसार अंत तभी करीब था। वह अपने सामने के लोगों को चेतावनी दे रहे थे। वह आसन्न अंत की बात थी, न कि हजारों साल बाद। वरना तब मौजूद लोगों को वह चेतावनी अनर्गल होती! सो, मुहम्मद की वह बात गलत निकली। अत: जब कयामत नजदीक नहीं थी, तो वह प्रोफेट भी अंतिम नहीं हो सकते। कुरान के ही अनुसार पहले दर्जनों प्रोफेट हुए। तब आगे नहीं होंगे, इस की यही दलील थी कि दुनिया का ही अंत होने वाला है। यदि दुनिया खत्म नहीं होने वाली थी, जो गत चौदह सौ सालों से प्रमाणित है, तो इस्लाम के प्रोफेट भी आखिरी नहीं हो सकते। यही बाद के इतिहास ने भी दिखाया। प्रोफेट की धारणा न इस्लाम से आरंभ हुई, न इस्लाम को उस का अंत' करने का अधिकार था। प्रोफेट का सदैव अर्थ था - ईश्वरीय प्रेरणा से बोलने वाला, ईश्वर की चर्चा करने वाला, भविष्य की बातें बताने वाला, लोगों को ज्ञान देने वाला, आदि। सो मुहम्मद के बाद, अपने जीवन काल में ही सैकड़ों गुने अधिक अनुयायियों वाले प्रोफेट, यानी दैवी प्रेरणा वाले लोग अनेक देशों में होते ही रहे। जैसे, रूस में संत बोरिस, ब्लेस्ड मैर्त्योना; भारत में आदि शंकर, गुरु रामानन्द, गुरु नानक, चैतन्य; तिब्बत के दलाई लामा; आदि के लाखों-लाख शिष्य हुए हैं। इतने अनुयायी मुहम्मद को तमाम जीत, लूट का माल बाँटने, जन्नत के प्रलोभन, जहन्नुम की धमकी, जोर-जबर्दस्ती, आदि के बाद भी हासिल नहीं हो सके थे। मुहम्मद की मृत्यु के समय मोटे तौर पर उनके एक लाख अनुयायी थे। सो, जिन्हें तमाम पश्चिमी भाषाओं में प्रोफेट' कहा गया, यहाँ आदिशंकर, रामानन्द, गुरू नानक, चैतन्य, रामकृष्ण परमहंस, आदि वैसे ही महापुरुष थे। यह सब मुहम्मद के बाद हुए। अत: मुहम्मद आखिरी प्रोफेट नहीं थे। उन का यह दावा भी गलत सिद्ध हुआ। वस्तुत: अधिकांश मुसलमान भी मुहम्मद को पूरा नहीं जानते। विशेषकर, गैर-अरब मुसलमान। मूल अरबी इस्लामी पुस्तकों के अनुवादों में बहुत सी बातें काफी नरम और अर्थांतर की हुई मिलती हैं। यह अरब लेखिका वफा सुल्तान ने अपनी पुस्तक में उदाहरण देकर दिखाया है। ऊपर से, भारतीय-पाकिस्तानी मुस्लिमों को अनेक मनगढ़ंत बातें भी बताई जाती रही हैं। यह भारतीय मौलानाओं ने यहाँ की स्थिति देखते हुए किया, जहाँ महान प्रोफेटों' की गौरवशाली परंपरा है। पाकिस्तानी लेखक हैरिस सुल्तान ने बचपन में मुहम्मद के बारे में सुनी ऐसी मधुर कहानियों के उदाहरण अपनी पुस्तक में दिए हैं, जो किसी मूल स्त्रोत में नहीं मिलते। कारण वही है कि मुहम्मद को मानवता के लिए सर्वोत्तम अनुकरणीय मॉडल बताने में उन के जीवन की असंख्य तफसीलें मुसीबत बन जाती हैं। उन की जीवनी की जिन बातों पर मुसलमान सदियों से गर्व करते रहे, अब वह सामान्य नैतिकता से बड़ी गड़बड़ लगती हैं। विशेषकर, जब मुहम्मद के बाद हुए प्रोफेटों से तुलना करें। इसीलिए, मुस्लिम नेता कुरान की बातों की भी चर्चा करने पर नाराज होते हैं। क्योंकि उस से मुहम्मद की वह छवि सामने आने लगती है, जिसे अब वे छिपाना चाहते हैं। परन्तु मुहम्मद का निजी जीवन छोड़ भी दें - यद्यपि जब उन्हें सब के लिए हर विषय में अनुकरणीय बताया तो उन के जीवन की पूरी जानकारी लेना लाजिम हो जाता है। वरना अनुकरण कैसे होगा? - किन्तु वह रहने भी दें, तो सभी इस्लामी किताबें मुहम्मद की बड़ाई में उन के युद्ध, हमले, जीत, लूट के माल, उस के बँटवारे, भोग, धमकी, चेतावनी, आदि की ही अधिक चर्चा करती हैं। सो, यह किसी ज्ञानी के बदले प्राय: किसी योद्धा और शासक की जीवनी रहती है। वह भी किस प्रकार के? ऊपर उद्धृत मुहम्मद की अपनी बताई पाँच विशेषताएं' ही दिखाती हैं, कि उन के लिए आतंक' और लूट का माल' जायज है। (सहीह बुखारी, 1ः7ः331) विचारशील मुसलमान भी समझते हैं कि ऐसे प्रोफेट को पूरी मानवता के लिए अनुकरणीय' बताना बेढब है! इसीलिए मुस्लिम नेता और उलेमा मुहम्मद की चर्चा से ही बचना चाहते हैं। पर आई लव मुहम्मद' ने उस की चर्चा अनिवार्य बना दी। यह अच्छा है। ज्ञान हितकर होता है। विशेषकर मुहम्मद के बारे तो सच्चा ज्ञान सब को होना ही चाहिए। इसलिए भी उल्लेखनीय है कि भूत-भविष्य, लोक-परलोक तो दूर, मुहम्मद को अपने समय की दुनिया की भी पूरी खबर न थी! कुरान की सारी कथाएं केवल यहूदी बाइबिल की बातों के दुहराव हैं। जो तब अरब में प्रचलित थीं। जबकि मुहम्मद के समय भारत, चीन, आदि में बड़े-बड़े बौद्ध व हिन्दू राज्य थे। असंख्य हिन्दू और बौद्ध कथाएं, देवी-देवता, अवतार, धर्म-विचार, महाकाव्य, रामायण, महाभारत जैसी महान पुस्तकें कई पूर्वी देशों में सदियों से प्रतिष्ठित थीं। किन्तु मुहम्मद की तमाम जानकारी बस अब्राहम, यहोवा, जीसस, मेरी, नोआ, गैब्रील, आदि तक सीमित थी! इसीलिए कुरान में ही अनेक उल्लेख दिखाते हैं कि कई अरब भी मुहम्मद की बातों को यहूदियों की कथाओं, बातों की नकल भर समझते थे। (कुरान, 25ः4-5, 6ः25, 83ः13)। अर्थात, मुहम्मद के प्रोफेट होने का दावा उसी समय अरब में ही संदिग्ध था। इस के असंख्य संकेत कुरान में हैं। बहुत सी अन्य बातें भी धक्का पहुँचाने वाली हैं। जैसे, मुहम्मद का निर्देश है- तुम्हारी औरतें तुम्हारी खेतियाँ हैं, जैसे चाहो वैसे जोतो। (कुरान, 2ः233)। इसीलिए, आज के मौलाना इस्लामी बातों को नए-नए रंग-रोगन में पेश करते हैं। जिन्हें सदियों से अपरिवर्तनीय बताया जाता रहा था। अब अधिकांश उलेमा इस्लाम में गुलामी-प्रथा, स्त्रियों के प्रति नीच व्यवहार, घृणित काम, संगीत व चित्र-कला की मनाही, जिहाद, काफिर, शिर्क, जजिया, जिम्मी, तकिया, आदि के ऐसे अर्थ देने की कोशिश करते हैं जो पिछले हजार सालों में पहले कभी नहीं दी! क्योंकि अब यह दिखता है कि वह असल में क्या थी। इसीलिए, आज मुहम्मद की छवि या तो छिपायी जाती है, या अपनी ओर से मनगढ़ंत कहानियाँ जोड़ कर उन्हें आज के समाज के समक्ष प्रस्तुत करने लायक बनाया जाता है। उस की तुलना में मुहम्मद के बाद हुए भारत के प्रोफेटों पर विचार करें। आदि शंकराचार्य, चैतन्य से लेकर आज भी स्वामी शिवानन्द, विवेकानन्द, और माता अमृतानंदमयी तक, अनेक महान धर्म-चिंतकों, धर्म-मार्गदर्शकों का जीवन और उन की बातें। कहीं घमंड, धमकी, दबाव, या प्रलोभन नहीं। दूसरों की निन्दा नहीं। किसी भी उपदेश, व्याख्या, या विचार को मानने की बाध्यता नहीं। अपने संप्रदाय में आने के साथ-साथ छोड़ कर जाने में भी कोई चिन्ता नहीं। जबकि मुहम्मद ने कहा था, जो भी इस्लाम छोड़ता है, उसे मार डालो। (बुखारी, 9ः84ः22)। मुहम्मद के उदाहरणों से ही शरीयत यानी इस्लामी कानून' बने हैं। जबकि ऐसे निर्देश इस्लाम की वैचारिक दुर्बलता का प्रमाण हैं। जिसे भरोसा नहीं कि धरती और जन्नत, दोनों जगह के लिए तरह-तरह के प्रलोभन, धमकी, और ईनाम के बावजूद मुसलमान स्वेच्छा से उस के संप्रदाय में टिके रहेंगे! वरना, इस्लाम छोड़ने पर मार डालने की क्या जरूरत थी या है? मुहम्मद की तुलना में हिन्दू या बौद्ध प्रोफेटों, यानी गुरुओं, संतों की अनगिनत श्रृंखला सहजता से चलती रही है। उन्हें पूरी दुनिया में अनुयायी मिलते रहे हैं। न केवल ऐसे धर्म-संप्रदायों को अपने प्रति कोई शंका नहीं, अपितु स्वामी विवेकानन्द की तरह वे अपने अनुयायियों को स्वयं ही प्रोफेट बन जाने के लिए प्रेरित करते हैं। अकेले प्रोफेट होने का एकाधिकार ही नहीं रखते! इसीलिए, जो मुहम्मद से प्रेम रखते हैं, उन्हें दूसरे प्रोफेटों, ज्ञानियों के जीवन, कार्य, और संदेशों का भी अध्ययन भी करना चाहिए। भारत में ऐसा करना और उपयुक्त है, जहाँ मुहम्मद को भी वही सम्मान दिया जाता रहा है, जैसा आदिशंकर, गुरु नानक, चैतन्य, आदि महापुरुषों को। हमें अपने प्रेम पात्र से प्रेम करते हुए उसे जानना भी चाहिए। वही अपने प्रति ईमानदारी होगी। वही कल्याणकारी होगा।

अल्पसंख्यक शिक्षा कानून से अल्पसंख्यक समुदाय के शिक्षा अधिकार सुरक्षित रहेंगे : सैनी

हरिद्वार। पिछड़ा वर्ग कल्याण परिषद के उपाध्यक्ष (राज्य मंत्री) सुनील सैनी ने कहा अल्पसंख्यक शिक्षा कानून से अल्पसंख्यक समुदाय के शिक्षा अधिकार सुरक्षित रहेंगे एवं धामी सरकार की ओर से लाए गए नए अल्पसंख्यक कानून को जरूरी बताते हुए कहा कि इससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा धामी सरकार कि यह बड़ी उपलब्धि है द्य अल्पसंख्यक शिक्षा संस्थान विधेयक को राज भवन ने मंजूरी दे दी है द्य अल्पसंख्यक शिक्षा कानून के लागू होने से सभी संस्थाओं को प्राधिकरण से मान्यता लेनी होगी सिख ,बौद्ध ,जैन ,ईसाई पारसी ,और मुस्लिम समुदाय के शैक्षिक स्थान को मान्यता मिलेगी, नए कानून के तहत एक प्राधिकरण उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन किया जाएगा जो अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान का दर्जा प्रदान करेगा । नए कानून के तहत राज्य का मदरसा शिक्षा बोर्ड समाप्त हो जाएगा। अल्पसंख्यक विद्यालय में योग शिक्षक अच्छी सुविधा का लाभ अल्पसंख्यक छात्र-छात्राओं को मिलेगा यह सुविधा मदरसो की व्यवस्था में नहीं थी, कानून का उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदायों को मुख्य धारा की शिक्षा व्यवस्था से जोड़ने के साथ शिक्षा की गुणवत्ता व पारदर्शिता बढ़ाना है नई शिक्षा नीति के अनुरूप अल्पसंख्यकों को समान अवसर प्रदान करना है उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा कानून अल्पसंख्यकों के हित में है, नई शिक्षा नीति के तहत अल्पसंख्यकों को समान अवसर प्रदान करना है।

मुख्य सचिव ने किया राजकीय बाल देखरेख संस्थाओं के बच्चों एवं राजकीय महिलागृहों की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारम्भ

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन द्वारा गुरूवार को सचिवालय परिसर में राजकीय बाल देखरेख संस्थाओं के बच्चों एवं राजकीय महिला गृहों की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने राजकीय बाल देखरेख संस्थाओं में रहने वाले बच्चों के लिए कौशल विकास से जुड़े प्रशिक्षण की नियमित व स्थायी व्यवस्था किए जाने हेतु अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए इन बच्चों को सशक्त व स्वावलंबी बनाने के कारगर प्रयास किए जांय। दीपावली के उपलक्ष्य में ने महिला कल्याण विभाग द्वारा स्थापित आलम्बन आउटलेट सेन्टर के माध्यम से आयोजित इस प्रदर्शनी

का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने बच्चों एवं महिलाओं द्वारा निर्मित आकर्षक पेंटिग्स एवं विभिन्न उत्पादों की सराहना की। मुख्य सचिव ने महिला गृहों की संवासिनियों की प्रतिभा को निखारने के लिये व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने तथा उत्पादों की गुणवत्ता संवर्द्धन की व्यवस्था किए जाने हेतु निर्देश दिये गये। मुख्य सचिव ने बाल देखरेख संस्थाओं में रहने वाले बच्चों की शिक्षा व प्रशिक्षण के लिये विशेष प्रयास करने हेतु भी निर्देशित किया गया। महिला कल्याण विभाग द्वारा स्थापित आलम्बन आउटलेट सेन्टर के माध्यम से आयोजित यह प्रदर्शनी आगामी 17 अक्टूबर तक चलेगी। जिसमें राजकीय बाल देखरेख संस्थाओं के बच्चों एवं राजकीय महिला गृहों की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों यथा– मोमबत्ती, करवा, दिये, चित्रकला, तोड़न, भीमल पेटिंग एवं ऐंपण पेटिंग से बने अनेक उत्पादों को प्रदर्शन एवं बिक्री के लिए रखा गया है। इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास के सचिव, चन्द्रेश यादव, निदेशक बी.एल.राणा, मुख्य परिवीक्षा अधिकारी अंजना गुप्ता, राज्य नोडल अधिकारी सुश्री आरती बलोदी, जिला परिवीक्षा अधिकारी, देहरादून मीना बिष्ट एवं कार्यक्रम प्रबंधक प्रीति उपाध्याय उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने 55 किलो मिठाई नष्ट कराई

हरिद्वार। खाद्य सुरक्षा विभाग ने बुधवार को सुमन नगर क्षेत्र में छापेमारी कर मावे से बनी 55 किलो मिठाई को नष्ट कर दिया। 40किलो सफेद रसगुल्ला और 15 किलो गुलाब जामुन को नष्ट कर दिया। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी महिमानंद जोशी और वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिलीप जैन ने बताया कि बुधवार को मुखबिर की सूचना पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने छापेमारी करते हुए एकड़ खुर्द निवासी अब्दुररहमान को बाइक के साथपकड़ लिया।

मिलावटखोरी व खाद्य पदार्थो की शुद्धता को लेकर व्यापारियों को दिए निर्देश

उत्तरकाशी। त्योहारी मौसम को देखते हुए व्यापारियों के साथ सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा ने बैठक कर मिलावटखोरी व खाद्य पदार्थों की शुद्धता को लेकर सचेत करते हुए सभी व्यापारियों को कड़े निर्देश दिए व नागरिकों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता पर रखने की अपील की। गुरुवार को पुरोला व्यापार मंडल से जुड़े व्यवसायियों के साथ सहायक आयुक्त अश्विनी कुमार ने सामूहिक बैठक की जिसमे व्यापारियों को त्योहारी सीजन को देखते हुए मिलावटखोरों से सावधान रहने व खाद्य पदार्थो की खरीद में विश्वसनीयता को लेकर जागरूक रहने की अपील की। व्यापारमंडल अध्यक्ष अंकित पँवार ने जानकारी देते हुए बताया कि त्योहारी सीजन शुरू होते ही कई मिलावटखोर सक्रिय हो जाते हैं, खाद्य पदार्थो की सप्लाई शहरों से ही होती है और पहाड़ों के हर क्षेत्र में पंहुच जाते हैं। जिसकी शुद्धता को लेकर हर व्यापारी को सजग व जागरूक रहने को लेकर पुरोला में सहायक आयुक्त खाद्य ने बैठक ली व सभी को खाद्य पदार्थो की गुणवत्ता व शुद्धता बनाये रखने के निर्देश दिए। वहीं सभी को खाद्य सुरक्षा अधिनियम की जानकारी देते हुए उन्होंने सभी को पैकेज्ड फूड के बिल बाउचर रखने, लाइसेंस नवीनीकरण दुकानों में स्वच्छता बनाये रखने सहित कालातीत खाद्य पदार्थो से बचने व नागरिकों को शुद्ध व ताजी वस्तुएं उपलब्ध करवाने की विस्तृत जानकारी के साथ ही कड़े निर्देश दिए तथा व्यापारियों की समस्याओं से अवगत होते हुए सहयोग को आश्वस्त किया।

विश्व दृष्टि दिवस पर विद्यार्थियों को नेत्र स्वास्थ्य के प्रति किया गया जागरूक

चमोली। हर वर्ष अक्टूबर माह के दूसरे गुरुवार को मनाया जाने वाला विश्व दृष्टि दिवस इस वर्ष राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय सैकोट में मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में जिला स्वास्थ्य सूचना, शिक्षा एवं संचार अधिकारी उदय सिंह रावत ने छात्रों को नेत्र स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दृष्टि दोष में व्यक्ति को दूर या पास की वस्तु धुंधली दिखाई देती है। नजदीक का काम करते समय सिरदर्द, आंखों में पानी आना या ब्लैकबोर्ड के अक्षर साफ न दिखना इसके लक्षण हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि उचित नंबर का चश्मा पहनने से दृष्टि दोष को ठीक किया जा सकता है। उदय सिंह रावत जी ने बताया कि विटामिन 'ए' आंखों के लिए अत्यंत आवश्यक पोषक तत्व है। इसकी कमी से बच्चों की दृष्टि कमजोर हो सकती

है और 'रतौंधी' रोग भी हो सकता है। उन्होंने गाजर, पपीता, दूध, अमरूद, अंडे और हरी पत्तेदार सब्जियों जैसे विटामिन 'ए' युक्त आहार का सेवन करने की सलाह दी।उन्होंने कहा कि आंखों में चोट लगने या दृष्टि संबंधी किसी समस्या के होने पर नजदीकी नेत्र चिकित्सक या प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से तुरंत संपर्क करना चाहिए। साथ ही मोबाइल के सीमित उपयोग और नियमित नेत्र जांच को आंखों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी बताया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य भरत सिंह राणा, रश्मि सजवाण, अनिल सकनानी, अनूप कुमार सहित शिक्षकगण एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण टीम ने किया ग्राम मुंडलाना का निरीक्षण

हरिद्वार। जिला मलेरिया अधिकारी हरिद्वार सी.एम. अथवाल ने अवगत कराया कि ग्राम मुंडलाना ब्लाक नारसन में डेंगू बुखार के फैलने एवं संभावित बुखार से दो लोगों की मृत्यु की सूचना पर राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण टीम द्वारा आज गांव पहुंच कर मृतकों के घर जाकर उनके परिजनों से मिले तथा संभावित बुखार से हुई मौत के कारणों के बारे में जानकारी ली गई। उन्होंने अवगत कराया कि संभावित बुखार से हुई मृत्यु में सितारा 32 वर्ष महिला तथा रत्तन लाल महिला 22 वर्ष ग्राम मुंडलाना शामिल हैं। उन्होंने अवगत कराया कि टीम द्वारा मृतक के परिजनों से मिलकर मौत के कारणों के बारे में पता किया गया। परन्तु उनके परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार किसी भी तरह की जांच रिपोर्ट अथवा चिकित्सालय का कोई भी पर्चा प्राप्त नहीं हुआ। उन्होंने अवगत कराया कि डेंगू वालिंटियर द्वारा 60घरों का भ्रमण किया गया जहां 112 सामग्रियों को जांचा गया तथा 6 में लार्वा प्राप्त हुआ एवं 6 लोगों में बुखार पाया गया। उन्होंने अवगत कराया कि आज मुडलाना गांव में स्वास्थ्य कैम्प लगाया गया जिसमें 16 लोगों की जांच की गई तथा 58 संभावित लोगों के सैम्पल लिया गया। सभी संभावित लोगों को उपचार प्रदान किया गया। उन्होंने अवगत कराया कि टीम द्वारा गांव में थर्मल फागिंग करायी गई तथा ग्राम प्रधान से मिलकर गांव में फैले बुखार को लेकर चर्चा की गई, जिसमें पता चला कि कुछ दिनों से गांव में अज्ञात बुखार से लोग पीड़ित हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक
देवेन्द्र जौहरी द्वारा
साप्ताहिक समाचार पत्र
''गुरुकृपा दर्पण'' को
रूद्र प्रिंटिग प्रेस, ई–34,
ओल्ड इड्रस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं
एस–3, अशोक विहार कालोनी,
कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
से प्रकाशित।
सम्पादक: **देवेन्द्र जौहरी**
मो. – **9997331129**
E-mail :
gurukripadarpan@gmail.com